राजस्थान साहित्य अकादमी
(राजस्थान सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

सेक्टर 4, हिरणमगरी,
उदयपुर (राज.) – 313 002
दूरभाष : (0294) 2461717

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अकादमी द्वारा विभिन्न योजनाओं पर सहयोग स्वीकृत
81 पाण्डुलिपियों पर 8.70 लाख का सहयोग स्वीकृत

उदयपुर/28 मार्च, 2025 राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2024–2025 में 81 पाण्डुलिपियों पर 8.70 लाख रुपये के सहयोग दिए जाने की घोषाणा की गई है। अकादमी सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने बताया कि पाण्डुलिपि प्रकाशन सहयोग योजना के अन्तर्गत कुल 81 पाण्डुलिपियों पर लेखकों को 8.70 लाख रु. का सहयोग स्वीकृत किए जाने की घोषणा की गई। अकादमी सचिव ने बताया की नए एवं ऊर्जावान लेखकों को अकादमी एवं साहित्य से जोड़ने की दृष्टि से वर्ष 2024–2025 में अधिक से अधिक पाण्डुलिपियों पर सहयोग स्वीकृत किया जा रहा है। अकादमी सचिव डॉ. बन्सत सिंह सोलंकी के अनुसार निम्न पाण्डुलिपियों पर सहयोग दिए जाने की घोषणाा की गयी है।

(काव्य विधा) नामी (रमेश भटनागर, उदयपुर), एहसासों के समन्दर (कुसुमलता टेलर, उदयपुर), रेतीली तपोभूमि (मनुप्रताप सिंह चींचडौली कनकपुरा), सुमन सुरभि (अनिता सिंह सुरभि, भरतपुर), फूल बिछाएं राहों में (कल्याण गुर्जर मनोहरपुरा), दीप रत्न (दीपा गोयल, अजमेर), उठे कलम जब (भरत कुमार मीणा, नया गावं, उदयपुर) इंसानों का देश (श्याम अंकुर, बारां),वीणा के तार (वीणा वैष्णव, कांकरोली), जीव संवेदना (सत्यरूपा तिवारी ,अजमेर), प्रेम का अभ्यास नहीं होता (प्रीतम सिंह ,जयपुर), छोटी सी जिन्दगी (संजय गौड़ ,कांकरोली), मन की पगंडडियों पर (रश्मि वैभव कोटा), कृष्ण परात्पर ब्रह्म है (पुष्पा शर्मा, अजमेर), धूप–छांव (नरेन्द्र निर्मल,भरतपुर), निज मन मुकुरु सुधारि (कमल किशोर पिपलवा,बीकानेर), नहीं याद आया मुझे (जीनस कंवर, जयपुर), भीगा आंगन (पुरुषोत्तम शाकद्वीपीय,उदयपुर), ओस के बंडल में लिपटा बसंत है... तुम्होरा प्रेम (काजल खत्री, अजमेर), कविता के भाव सृजन (कविता जोशी ,अजमेर), शब्दों की मुस्कान (कविता अग्रवाल, अजमेर), अनुकृति की कृति (अनुकृति माथुर, अजमेर), जान–ए–ग़ज़ल (तस्दीक अहमद खान, अजमेर),समुद्र सिखाता रहा (हिमांशु बिज्रेश माथुर, अजमेर), दीये की बाती बन जाओं (शिवांगी सिंह, कोटा), मधुमास लाऊंगी मैं (शकुन्तला सरूपरिया, उदयपुर), संभव नहीं ये तेरे बिन (प्रियंका भट्ट, उदयपुर), धोरों की गोद से (दिनेश कुमार सूत्रधार, बाली), पंछी से पूछा... (अदिती शर्मा, झालावाड़), भावों की सरिता (मधु माहेश्वरी, सलूम्बर), शब्दों का कारवा (लोकेश चंद चौबीसा, उदयपुर), हंसती आंखें झरते मोती (शीतल श्रीमाली, उदयपुर), सक्खी की दाई (नूतन गुप्ता,उदयपुर), संतरंगे मोती (श्रेखा जैन प्रकाश,टोंक) आपकी इनायतें (ममता जाट टोंक), हे पार्थ उठो (पूनम भण्डारी, जयपुर), काव्य कुमुदिनी (रेनू सिरोया, उदयपुर), मै और मेरे आस–पास (अनीता नंदवाना,उदयपुर), निविद की गूंज (अपेक्षा व्यास, भीलवाड़ा), अंधेरों को निगलता सूरज (अनुराधा शर्मा, कोटा), खुली किताब (दीपा परिहार, जोधपुर), संघर्ष मेरा सहकर्मी है (राजकुमार खटीक, कांकरोली), उम्मीद भरी कविता (योगेश्वरी सिसोदिया डूंगरपुर), शिखर (क्रांतिलाल यादव, उदयपुर), किन्नर की काया (शेलेन्द्र सिंह, जालौर), मानस की गूंज (अक्षयलता शर्मा, जयपुर), मयखाना (नाथू राम वर्मा चन्द्र,अलवर), मुहब्बत है जवां अब तक (अब्दुल रहमान अमर जूनूनी,बीकानेर), काव्य ज्योत्सना (दीपक शर्मा, धौलपुर), घर के इक कोने में (सुमीत रंगा, जयपुर), अर्न्तमन की झंकारें (जुगल किशोर पुरोहित,बीकानेर), बरकात–ए–गुलिस्तां (बरकात अहमद शाह वारसी, बीकानेर), पथिक तुझे नित चलना होगा (पवन सोलंकी, पाली), खामोश सदायें गाती रहें (चंद्रकांता बंसल,उदयपुर), जीने की राह (सुरेन्द्र कुमार, अजमेर), हरे बांस का दर्द (नमोनाथ अवस्थी,जयपुर), इंद्रधनुषी गीत (विजय गिरी गोस्वामी, बांसवाड़ा), (कहानी विधा) अपराजीता (प्रेम कुमारी कुमावत, कांकरोली), ठहरी हुई जिंदगी (सुधारानी तैलंग, बीकानेर), पगली और अन्य कहानियां (भोगीलाल पाटीदार, डूंगपुर), इन्द्रधनुष का आठंवा रंग (सूरज राव, अजमेर), वह अधूरी कहानी (केदार शर्मा,टोंक), अनुगूंज

कहानियां (अनुराग माथुर, अजमेर), हिम शिखर और चांदनी (रेखा पंचौली,कोटा), चुपे तीतामरा री (गरिमा जोशी, पंत,), लापता चिट्ठीयां (अनामिका अनु ,जोधपुर), लव डॉट कॉम (मनीष कुमार जोशी, बीकानेर), (लघु कथा) कलाइडोस्कोप (दिवा मेहता, जयपुर) (बाल साहित्य विधा) बाल पहेलियां (गोरस प्रचण्ड, कोटा), प्रकृति की चार आम सभाएं (माया वसन्दानी,जयपुर), सबसे संन्दर अपना देश (जेठानंद पंवार,बाड़मेर), हम बच्चे हैं (नाथू सिंह इंदा,जोधपुर), निंदिया रानी, (कमला सुराणा, जोधपुर), गंगा,यमुना और सरस्वती (अनिल सक्सेना चौधरी,जयपुर), वर्णो की फूलवारी (अंजु सक्सेना, जयपुर), दंती दानव (हरीश व्यास, प्रतापगढ़), तथा **विविध विधा** में एक सफर ऐसा भी (नितिन मेनारिया,उदयपुर), लघु नाटक प्रहसन एवं एकालाप (ययाति पंड्या,उदयपुर), जेमती काकी (रतनपुरी गोस्वामी, उदयपुर), मां का गांव और बचपन (श्वेता शर्मा,कोटा), अनुभव और अनुभूतियां सैन्य पत्नी की (नलिनी उपाध्याय, अजमेर) आदि की पाण्डुलिपियों पर सहयोग दिए जाने की घोषणा की गई है।

राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2024–2025 में **प्रकाशित ग्रथों पर योजना** योजनान्तर्गत 26 ग्रंथों पर 2.12 रुपये के सहयोग दिए जाने की घोषणा की गई है। अकादमी सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने बताया कि प्रकाशित ग्रथों पर कुल 26 पुस्तकों के लेखकों को 2.12 लाख रु. का सहयोग स्वीकृत किए जाने की घोषणा की गई। डॉ. सोलंकी ने बताया की नए लेखकों को साहित्यिक क्षेत्र में स्थापित करने की दृष्टि से वर्ष 2024–2025 में पुस्तकों पर सहयोग स्वीकृत किया जा रहा है। निम्न ग्रंथों पर सहयोग दिए जाने की घोषणा की गयी है।

सारी खबर है चाँद को ... (कृष्णकान्त पण्ड्या,उदयपुर), तरूशिखा (कांता मीना, बीकानेर), मेरी उड़ान (बद्रीलाल दिव्य कोटा), गीत शतक (सुरेन्द्र कुमार शर्मा, जयपुर), पर्दा न उठाओं (आत्माराम भाटी, बीकानेर), सावन की बरसात (अशोक रंगा, बीकानेर), मत सुन नतजा यह पैगाम (अजय जोशी, बीकानेर), महुडी (भारत दोसी बांसवाड़ा), तिलांजलि (सुमेर सिंह राजावत, अजमेर), सुमन्दर से खफा मौज (निसार राही, जोधपुर), मेहतर है तू आंख में पानी रख (हंसराज बारासा, जोधपुर), आर्टिकल 51–ए (राजश्री अग्रवाल, अलवर), आस्था का दर्पण (अब्दुल अय्यूब गौरी, जयपुर), सब हदें तोड़कर (मोहम्मद अकबर शाद, उदयपुरी), संतवंती पद्मिनी (सिम्मी सिंह,उदयपुर), निसर्ग के रंग (अवधेश शर्मा, जयपुर), प्रेम सघन वन (अनीता सिंह सुरभि, भरतपुर), रुबरू है जिन्दगी (स्नेहा अग्रवाल, झुंझुनू), असली जीत (विजय कुमार शर्मा,कोटा), खिलती कलियां (कमल किशोर पारीक, बीकानेर), दिव्याशा (निर्मल कुमार शर्मा, बीकानेर), दादाजी की साइकल (कासम अली, बीकानेर), मृग तृष्णा (दीपक कुमार शर्मा, बीकानेर), पंगडंडी की पीर (विष्णु शर्मा, हरिहर,कोटा), कविता के गुलमोहर (रघुनंदन हटीला, कोटा), मैं तुम्हारा हूं (रामराज राजस्थानी, कपासन) आदि।

साहित्यिक पत्र–पत्रिका सहयोग योजना के अन्तर्गत कुल आठ साहित्यिक पत्रिकाओं पर सहयोग स्वीकृत किया गया है। डॉ. सोलंकी ने बताया कि मरु नवकिरण, बीकानेर (त्रैमासिक), जूनी ख्यात, श्रीडूंगरगढ़ (अर्द्धवार्षिक), सृजन कुंज, श्रीगंगानगर (त्रैमासिक), साहित्याचंल, भीलवाड़ा (त्रैमासिक), बाल वाटिका, भीलवाड़ा (मासिक), नवसृजन, उदयपुर (छःमाही), गोड़वाड़ विरासत, पाली (मासिक), गवरजा, नागौर (त्रेमासिक) प्रत्येक पत्रिका को 20,000/– आार्थिक सहयोग देने की घोषणा की गई है।

राजस्थान साहित्यकार आर्थिक सहयोग योजना में साहित्यकारों को आर्थिक सम्बल प्रदान करने के लिए सर्वश्री, मनशाह नायक,जोधपुर, गोविन्द जोशी, बीकानेर, ब्रह्मानंद बाबा, (रावत भाटा चित्तौड़गढ़) प्रत्येक साहित्यकार को 25,000/– रुपये का आर्थिक सहयोग देने कि घोषणा की गई है।

प्रेस विज्ञप्ति सादर निःशुल्क प्रकाशनार्थ प्रेषित है।

28.3.25

(डॉ. बसंत सिंह सोलंकी)
सचिव

श्री सम्पादक